- (ख) समाचार, ग्राल इंडिया वीभेन्ज कानफ़ेंस ग्रीर दिल्ली महिला समाज द्वारा दिल्ली में चलाये जा रहे दो कामकाजी महिला होस्टलों में कथित ग्रानियमितताग्रों के संबंध में है। इन दोनों मामलों में विस्तृत जांच की गई थी।
- (ग) 400 निवासियों की क्षमता वाले इन होस्टलों में 292 निवासी हैं।
- (घ) सरकार ने म्राल इंडिया वीमेन्ज कानफ़ेंस को अनुदेश दिये हैं कि केन्द्रीय सरकार की सहायत से बने होस्टल का कोई भी हिस्सा, योजना के अनुसार, पात्न कामकाजी महिलाम्रों को होस्टल म्रावास उपलब्ध कराने के म्रलावा किसी मन्य प्रयोजन के लिये इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

जहां तक दिल्ली महिला समाज द्वारा चलाये जा रहे होस्टल का संबंध है, इस संगठन को दी गई सरकारी भ्रनुदान राशि वापिस लेने के लिये कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

(ङ) इस योजना का उद्देश्य ऐसी प्रवासी कामकाजी महिलाग्रों को, जिनकी ग्राय (समेकित) 3000/— रू. प्रति मास से श्रधिक न हो, तीन वष तक के लिये ग्रावास उपलब्ध कराना है। यह प्रविध पांच वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है। ग्रतः योजना में स्थायी ग्राधार पर ग्रावास उपलब्ध कराने की व्यवस्था नहीं हैं।

Relief to Vanaspati industry

1968. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

- (a) what is the percentage of production of vanaspati in the total edible oil supply in the country in 1989-90;
- (b) what is the rationale of offering various concessions such as excise duty relief to the vanaspati industry when the producen of other edible oils are not extended any such fiscal or other incentives; and

(c) whether it is a fact that "unaspati is mostly used by commercial establishments such as hotels and sweetmeat shops and not by house-holds?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI RAM PUJAN PATEL): (a) The production of vanaspari is about 20 per cent of the total edible oils supply in the country during the year 1989-90.

- (b) The rationale of offering excise duty relief to vanaspati industry is to give encouragement to the production of minor/non-conventional oils as also to provide benefit to the consumers. The manufacturers of non-conventional oils also get the benefit by way of better price of their produce.
- (c) No, Sir. According to the study conducted by National Council of Applied Economic Research, the house-hold consumption of vanaspati formed nearly 61 per cent of the despatches in the year 1982-83.

जवाहर रोजगार योजना के तहत मध्य प्रदेश में कुग्रों की खुदाई

1969 श्री शिव प्रसाद चनपुरिया: क्या कृषि मंत्रीं यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) जवाहर रोजगार योजना के तहत 10 लाख कुएं खोदे जाने के निर्धा- रित लक्ष्य के ग्रधीन वर्ष 1989 के ग्रन्त तक मध्य प्रदेश में कितने सफल कुग्नों का निर्माण किया गया तथा उस पर ग्रभी तक कुल कितनी धनराशि खर्च की गई है; ग्रौर
- (ख) क्या सरकार द्वारा इन सफल श्रीर ग्रसफल कुग्रों का कोई मूल्यांकन किया गया है ?

ृष्ठि संद्रालय में ग्रामीण विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री उपेन्द्र नाथ वर्षा) :

(क) दस लाख कुग्नों की योजना को पहले के मजदूरी रोजगार कार्यकरमों अर्थात् राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम

(एन० स्रार० ई० भी०)/ग्रामीण भूमिहीन. रोजगार गारन्टी कार्यक्रम (ग्रार० एल० ई० जी० पी०) की एक उप-योजना के 1-4-1988 से आरम्भ किया यह जवाहर था । योजना (जे० म्रार० वाई०) जिसको राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यंकम/ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारन्टी कार्यक्रम के तत्कालीन मजदुरी रोजगार कार्यक्रमों का विलय करके 1-4-1989 से म्रारम्भ किया गया था, की एक उप-योजना के रूप में भी चालू रही । इस प्रकार से जवाहर रोज-गार योजना वर्ष 1989 में 1-4-1989 से लेकर 31-12-1989 तक कार्या-न्वित की गई थी। राज्य सरकार द्वारा मेजी गई रिपोर्टों के अनुसार, इस अवधि 3794 कुएं पूरे किए गए थे के दौरान योजना के अंतर्गत उन पर 150.13 लाख रुपये व्यय किये गये थे।

Written 11nswers

(ख) जी नहीं।

Linking of edible oils producing and consuming centres by NDDB

1970. SHRI BASUDEB MOHAPATRA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that National Dairy Development Board (NDDB) is strengthening its National Oil grid by linking the producing and consuming centres by tank for storage of edible oils and oilseeds all over the country; and
 - (b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINIS-TRY OF AGRICULTURE (SHRI NITISH KUMAR): (a) and (b) Under the NDDB's Oilseeds Growers' Cooperative Project (OGCP) and its market intervention operations, facilities are being created for storage of edible oils and oilseeds at important market centres and producing zones. Edible oil and oilseeds storage facilities have been created by the Oilseeds wers' Unions and Federations at major producing zones in all the seven States under NDDB's OGCP. Work is in progress in Delhi and Kandla where NDDB is building edible oil tank farms to meet the requirement of storing edible oil.

Shifting of Central Government offices to Ghaziabad, Uttar Pradesh

1971. SHRI RAM AWADHESH SINGH: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that Government owns a big plot of land near Shastri Nagar and Govindpuram in Ghaziabad to accommodate some Central Government Offices; and
- (b) if so, the names of such offices and by when these offices are likely to be shifted there?

THE MINISTER OF URBAN DEVE-LOPMENT (SHRI MURASOLI MARAN): (a) Yes, Sir.

- (b) The offices to be shifted include:
 - 1. Telecom Training Institute
 - 2. Postal Staff College
 - 3. National Test House
 - 4. C.S.I.R. Research Institute (SERC)
 - 5. Pharmacopocial Laboratory of Indegenous Medicine
 - 6. C.P.W.D. Training Institute

besides, such other offices as may be decided by the Government. No firm date for shifting can be indicated since this would depend on completion of buildings and other requisite arrangements.

Human Rights Commission

1972. SHRI SYED SIBTEY RAZI: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

- (a) whether Government have committed to widen the scope of the present Minorities Commission and to convert it into a Human Rights Commission;
 - (b) if so, the details thereof; and